जो भी गणपति को घर में बैठाएगा

जो भी, गणपति को, घर में बैठाएगा,
उसका घर, तीरथ बन जाएगा ॥
^उसका घर, तीरथ बन जाएगा, x॥
जो भी, गणपति को घर में,,,,,,,,,,,,,,,,

गोरा मैया ने, उबटन से, लाला बनाया ।
अपनी, शक्ति से, गोरा ने, जीवित कराया ॥
उसे, द्वारपाल है बनाया,
कोई, अंदर ना, आने पाएगा,,,
जो भी, गणपति को घर में,,,,,,,,,,,,,,,,

तभी, गौरा को मिलने, शंकर जी आए ।
गौरा, मईया नहाए, कोई अंदर ना आए ॥
बालक हट जाना, बार सह पाएगा,
तेरा काल, त्रिशूल बन जाएगा,,,
जो भी, गणपति को, घर में,,,,,,,,,,,,,,,,

शिव ने, त्रिशूल से, धड़ को, अलग कर दिया ।
और गौरा ने, काली का, रूप धर लिया ॥
अब तो, धरती पर, वही बच पाएगा,
मेरे लाल को, शीश जो लगाएगा,,,
जो भी, गणपति को, घर में,,,,,,,,,,,,,,,,

शिव ने, गज़ को बुलाया, शीश उसका लगाया ।
यह देखकर, मां का, मन हर्षाया ॥
यह बालक, गज़ानन कहलाएगा,
सब के, विघ्नों को, दूर कर पाएगा,,,
जो भी, गणपति को ,घर में,,,,,,,,,,,,,,,,

गणपति बप्पा,,, मोरिया ।
मंगल मूर्ति,,, मोरिया ॥
मोरिया रे, बप्पा मोरिया रे ॥॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28643/title/jo-bhi-ganpati-ko-ghar-me-baithayega

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |